भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

ल खत प्रश्न सं. †1210

सोमवार, 25 जुलाई, **202**2/03 श्रावण, **194**4 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

जलवायु परिवर्तन और पर्यटन

†1210. श्री के. मुरलीधरनः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या सरकार ने इस बात पर ध्यान दिया है क जलवायु परिवर्तन और पर्यटन का आपस में घनिष्ठ संबंध है क्यों क पर्यटन क्षेत्र पर्यटकों के आवागमन से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में योगदान देता है और वैश्विक तापन का इस पर व्यापक प्रभाव भी पड़ता है;

(ख) क्या सरकार ने इस मुद्दे के समाधान के लए कोई उपाय कए हैं; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. कशन रेड्डी)

(क) से (ग): जलवायु परिवर्तन और पर्यटन के बीच अंतर-संबंधों को स्वीकार करते हुए , पर्यटन मंत्रालय ने सतत पर्यटन के लए एक राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है। कार्यनीति दस्तावेज में सतत पर्यटन के वकास के लए निम्न ल खत रणनीतिक स्तंभों की पहचान की गई है-

(i) पर्यावरणीय स्थायित्व को बढ़ावा देना

(ii) जैव व वधता की रक्षा करना

(iii) आ र्थक स्थायित्व को बढ़ावा देना

(iv) सामाजिक - सांस्कृतिक स्थायित्व को बढ़ावा देना

(v) सतत पर्यटन के प्रमाणन के लए योजना

(vi) आईईसी और क्षमता निर्माण

(vii) शासन

स चव (पर्यटन) की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय सतत पर्यटन बोर्ड का भी गठन कया गया है , जिसमें अ भज्ञात केन्द्रीय मंत्रालयों/संगठनों , राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों और

उद्योग हितधारकों के प्रतिनि ध शा मल हैं। बोर्ड देश में सतत पर्यटन और इको पर्यटन के वकास के लए व भन्न रणनीतिक पहलों के संचालन और कार्यान्वयन में मार्गदर्शन करेगा:

(i) वस्तृत कार्य योजनाएं और सम र्पत योजनाओं का निर्माण
(ii) प्रमाणन योजनाएं
(iii) क्षमता निर्माण, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर की सर्वोत्तम पद्धतियों की प्रतिकृति
(iv) वपणन एवं संवर्धन
(v) निजी क्षेत्र की सहभा गता
(vi) गंतव्य एवं उत्पाद वकास
(vii) सतत और पारिस्थितिक पर्यटन के लए व शष्ट कार्यनीतियां
(viii) देश में सतत और इको पर्यटन के वकास के लए कोई अन्य उपाय।

मंत्रालय ने **27** सतंबर **2021** को वश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और भारतीय जिम्मेदार पर्यटन सोसाइटी (आरटीएसओआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कए हैं। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य एक-दूसरे के पर्यटन क्षेत्र में 'स्थिरता पहल' को स क्रय रूप से बढ़ावा देने और सहायता करने के लए उपाय करना और जहां भी संभव हो सहयोगात्मक तरीके से काम करना है।

पर्यटन मंत्रालय ने वश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर **4** जून, **2022** को नई दिल्ली में भारतीय जिम्मेदार पर्यटन सोसायटी और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के सहयोग से सतत और जिम्मेदार पर्यटन गंतव्य और जिम्मेदार यात्री अ भयान वक सत करने के लए एक राष्ट्रीय शखर सम्मेलन का भी आयोजन कया। शखर सम्मेलन में चन्हित केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों और उद्योग हितधारकों के प्रतिनि धयों ने भाग लया।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय अपनी स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत अवसंरचना वकास के लए राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को वत्तीय सहायता प्रदान करता है। स्वदेश दर्शन योजना के तहत वकास के लए परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है। पर्यटन मंत्रालय ने अब अपनी स्वदेश दर्शन योजना का स्वदेश दर्शन **2.0** (एसडी**2.0**) के रूप में पुनर्निर्माण कया है, जिसका उद्देश्य एक पर्यटक और गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण को अपनाते हुए सतत और जिम्मेदार गंतव्यों को वक सत करना है।

****